वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 137 | गुरुवार 14 सितम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राज्यपाल ने स्व. उमानाथ सिंह के व्यक्तित्व से प्रेरणा लेने का आह्वान किया

लोकतंत्र उदात्त जीवन मूल्यों से ही समृद्ध और सशक्त होता है: राज्यपाल

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि लोकतंत्र उदात्त जीवन मूल्यों से ही समृद्ध और सशक्त होता है। उन्होंने स्व. उमानाथ सिंह के व्यक्तित्व से प्रेरणा लेने का आह्वान करते हुए कहा कि लोकतंत्र के लिए जो लड़ता है वही अमर होता है। उन्होंने लोकतंत्र की रक्षा के लिए किए उनके कार्यों को स्मरण करते हुए उनकी स्मृति को अक्षुण्ण रखने के लिए सबको मिलकर कार्य करने पर जोर दिया। राज्यपाल मिश्र जौनपुर (उत्तर प्रदेश) के तिलकधारी महाविद्यालय में उमानाथ सिंह स्मृति सेवा संस्थान द्वारा आयोजित अमर शहीद दिवस समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संविधान सर्वोच्च है। देश में लोकतंत्र को सशक्त करने के लिए हम-सबको मिलकर कार्य करना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि उमानाथ सिंह ताउम्र शुचिता की राजनीति से जुड़े रहे। सार्वजनिक जीवन में आम जन के लिए कार्य करते हुए उन्होंने अपने कार्यों से सदा प्रेरित किया। मिश्र ने स्व. उमानाथ सिंह की मूर्ति पर माल्यार्पण भी किया। इससे पहले उमानाथ सिंह स्मृति सेवा संस्थान के प्रबंधक सचिव राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने स्व. उमानाथ सिंह के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने स्मृति संस्थान की गतिविधियों के बारे में बताया।

15 देशों के 800 एक्सपर्ट्स डैम पर मंथन करेंगे

राजस्थान सहित देशभर के पुराने और जर्जर बांधों को सुरक्षित बनाने पर होगी बात

जयपुर. कासं

जल शक्ति मंत्रालय के जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग की ओर से राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर झालाना, जयपुर में दो दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन डैम सेफ्टी होने जा रहा है। जिसका उद्घाटन सुबह 11 बजे उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ करेंगे। कार्यक्रम की जानकारी देने के लिए एनएसडीए के चेयरमैन संजय कुमार सिब्बल, संयुक्त सचिव आरएनडी आनंद मोहन और बांध सुरक्षा के चीफ इंजीनियर विजय सरन ने बुधवार शाम मीडिया से रुबरू हुए। उन्होंने बताया- कॉन्फ्रेंस में 15 देशों के एक्सपर्ट समेत देश के 800 से अधिक डैम सेफ्टी एक्सपर्ट शामिल होंगे।

भारत में हैं 6,000 से अधिक बांध

एनएसडीए के चेयरमैन संजय कुमार सिब्बल ने बताया- भारत में 6,000 से अधिक बांध हैं। भारत बड़े बांधों के मामले में विश्व स्तर पर तीसरे स्थान पर हैं और इनमें से लगभग 80 प्रतिशत बांध 25 साल से अधिक पुराने हैं, जबकि 234 बांध 100 सालों से ज्यादा पुराने हैं। इसलिए उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, भारत और दुनिया भर के एक्सपर्ट्स को एक मंच पर लाने और डैम सेफ्टी और मैनेजमेंट के नई तकनीकों पर चर्चा करने के लिए यह कॉन्फ्रेंस की जा रही है। इसके अतिरिक्त, सम्मेलन में बांध पुनर्वास और सुधार परियोजना (डीआरआईपी) चरण-1 और 2 के उद्देश्यों के साथ ही परियोजना भारत में बांध सुरक्षा सुधार में कैसे योगदान देती है, इस पर विशेष रूप से चर्चा की जाएगी। इसमें डैम से संबंधित पेशेवरों और संगठनों को नॉलेज, टेक्नोलॉजी, नवाचारों और सुरक्षा प्रयासों पर केंद्रित चर्चा में शामिल होने में मदद करेंगे। क्छऊ 2023 डीआरआईपी के फेज1 और 2 के तहत इम्प्लॉइड डैम सेफ्टी कॉन्फ्रेंस की श्रृंखला में पहला है।

उपराष्ट्रपति करेंगे दो ट्रेनों को वर्चुअली रवाना

उद्घाटन सत्र का एक मुख्य आकर्षण विनाइल आवरण वाली 'पानी की रेल' यानी दो प्रमुख ट्रेनों, हिमसागर एक्सप्रेस और कामाख्या एक्सप्रेस को रवाना करना होगा, जो जल संरक्षण और प्रबंधन, नदी पुनर्जीवन और पेयजल और बेहतर स्वच्छता के महत्व के महत्वपूर्ण संदेश को बढ़ावा देने के लिए एक चलते-फिरते बिलबोर्ड के रूप में कार्य करेंगे। जल शक्ति मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय जल मिशन के नेतृत्व में रेल मंत्रालय के सहयोग से पानी की रेल शीर्षक से यह अनूठी पहल महत्वपूर्ण जल संरक्षण परियोजनाओं की बानगी प्रस्तुत करेगी। इस पहल का प्राथमिक उद्देश्य देश के कोने-कोने तक पहुंच कर जल संरक्षण के महत्वपूर्ण संदेश को प्रसारित करना है। ये ट्रेनें देश के लाखों लोगों तक पहुंचकर अपनी छाप छोड़ेंगी और पानी को एक सीमित और अमूल्य संसाधन मानने का महत्व बताएंगी।

धूमधाम से मनाया श्री श्याम सलोना रंगीला मंडल का 13वां वार्षिकोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री श्याम सलोना रंगीला मंडल का 13 वां वार्षिकोत्सव आज निवारू रोड स्थित नेताजी की चक्की मे आयोजित किया गया। इस मौके पर बाबा के दरबार में कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भजन सुनाकर वातावरण को श्याममय बना दिया। कोषाध्यक्ष महिपाल यादव ने बताया कि इस मौके पर बाबा श्याम का आकर्षक दरबार सजाया गया,जो उपिस्थत श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केन्द्र रहा। इस अवसर पर भजन कलाकार उमा लहरी ने सावरिया ने डोरी खेची दिल को मेरे चिट्टी भेजी...तरुण सागर ने कोई देखे या ना देखे बाबा देख रहा है.. व शुभम ठाकरान ने दीनानाथ मेरी बात छानी कुनी तेरे से...जैसी रचनाओं से श्याम बाबा को रिझाया। इसके अलावा श्याम सलौना कोटा, कुमार गिर्राज, गोविन्द शर्मा व गोपाल सैन ने बाबा के दरबार में भजन सुनाएं और वातावरण को भक्ति और उल्लास के रंग से भर दिया। श्रद्धालुओं की भीड़ से अटा कार्यक्रम स्थल देर रात तक बाबा के जयकारों से गुंजायमान होता रहा।

बामणियां बालाजी धाम का मेला 17 सितम्बर को

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद । नसीराबाद क्षेत्र के ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल श्री बामणियां बालाजी धाम का वार्षिक मेला 17 सितम्बर , रविवार को भरेगा। पुजारी विनोद वैष्णव ने बताया कि मेले के पूर्व 16 सितम्बर, शनिवार को भजन संध्या होगी। मेले की रात्रि को नसीराबाद, देरांठू, भटियाणी , चाट आदि से भक्त गण गाजे बाजे के साथ बालाजी का झण्डा लेकर आयेगे । मेले की तैयारी हेतू मन्दिर मे रंग रोशन का कार्य चल रहा है । मेले पर मन्दिर को आकर्षक विधुत व फरियो से सजाया जायेगा।

अहिंसा भवन में पयूर्षण महापर्व के द्वितीय दिवस श्रध्दांलूओ का सैलाब पाच सौ श्रध्दांलूओ ने उपवास किये...

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। दान धर्म का अंग है। बुधवार को अहिंसा भवन मे पयूर्षण महापर्व के द्वितीय दिवस महासती प्रितीसुधा ने हजारों श्रध्दांलूओ और पयूर्षण मे तप करने वाले श्रावकों श्राविकाओं को सम्बोधित करतें हुए कहा कि दान अगर उचित स्थान पर उचित व्यक्ति को दान हम करते है तो वह दान हमे संसार से तिराने का बिजारोण करता है। दान करते समय हमारी भावना कैसी वह महत्व रखती है।भावना हमारी शुध्द नहीं है तो दान का फल हमे नहीं मिलने वाला है।दान देने से इंसान मे परिग्रह करने की प्रवृत्ति नहीं आती। मन में उदारता का भाव रहता और उसके विचारों में शुद्धता आती है,और मोह, लालच खत्म हो जाते है। दान करने से हम न सिर्फ दूसरों का भला करते हैं,बल्कि हम अपने व्यक्तित्व को भी निखारते हैं जब हम दान बिना किसी स्वार्थ भाव के करते हैं तो उस सुख का अनुभव हमें आत्म संतुष्टि प्रदान करता है और वो दान सुपात्र दान बन जाता है और हमारे जीवन को पवित्र बनाकर आत्मा की शुध्दी कर देता है। साध्वी संयम सुधा ने अंतगडसा सूत्र वांचना करते हुए बताया कि दान देने से घटता नहीं बढ़ता है। और मनुष्य पुण्य का संचय करके अपनी पुण्यवानी को बढ़ा सकता है।

पयूर्षण महापर्व के दुसरे दिन सैंकड़ों भाईयो और बहनों ने उपवास किये

साधनों से नहीं साधना से आत्मा को मोक्ष मिलता है :महासती धर्मप्रभा

सुनील चापलोत. शाबाश इंडिया

चेन्नई। साधनों से नहीं साधना से आत्मा को मोक्ष मिलता है। बुधवार साहूकार पेठ मे पर्वाधिराज पर्युषण पर्व के द्वितीय दिवस महासती धर्मप्रभा ने श्रध्दांलूओ एवं तपस्या करने वाले सैकड़ों भाईयो और बहनों को धर्म उपदेश प्रदान करतें हुए कहा कि मनुष्य साधन कितने ही प्राप्त करले,लेकिन आत्मा को सदगिती और मोक्ष तो साधना करने पर ही मिलेगा। वर्तमान में भागमभाग के युग में व्यक्ति साधनों से इधर-उधर भटकता रहता है। अधिक पाने की लालसा में साधना के बजाय साधनो को महत्व दे रहा है, लेकिन साधन जीवन में काम नहीं आएंगे। साधना से ही मनुष्य अपनी आत्मा को सदगती और मोक्ष दिला सकता है। पयूर्षण महापर्व मे इंसान जितना अधिक साधना और आराधना एवं तप करेगा उतनी ही अपने कर्मो निर्जरा कर सकता है।साध्वी स्नेहप्रभा ने अंतगडसा सूत्र वांचना करते हुए बताया मानव भव अमूल्य रत्नों के समान है लेकिन मनुष्य साधनो मे जीवन का सुख खोज रहा है साधन से सुख नहीं मिलने वाला है और नाहि आत्मा को मुक्ति मिल सकती है जब मनुष्य साधनो मे सलग्न रहेगा तब तक संसार मे भटकता ही रहेगा।आत्मा का उत्थान और जीवन का निर्माण तप जप और साधना से ही हो सकता है,साधनो से नही हो सकता है। साहूकार पेठ श्री एस.एस.जैन संघ के कार्याध्यक्ष महावीर चन्द सिसोदिया ने जानकारी देते हुए बताया पयूर्षण महापर्व के द्वितीय दिवस अनेक भाई और बहनों ने छः,पांच तीन और दो उपवास आदि के साध्वी वृंद से प्रत्याख्यान लिए तथा धर्मसभा मे चैन्नई महानगर एवं अनेक क्षेत्रों पधारे अतिथीयो मे बिलाड़ा के गरूगणेश धाम के अध्यक्ष किशनलाल खाबिया, एच.अमरचन्द कोठारी का श्री संघ के अध्यक्ष एम.अजितराज कोठारी, महामंत्री सज्जनराज सुराणा, हस्तीमल खटोड़, सुरेश डूगरवाल,मोतीलाल ओस्तवाल, रमेश दरड़ा, जितेन्द्र भंडारी, महावीर कोठारी, बादलचन्द कोठारी, शांतिलाल दरड़ा, शम्भू सिंह कावड़िया, अशोक सिसोदिया, भरत नाहर, कमल खाबिया आदि पदाधिकारियों अतिथियों और तपस्वियाओ का स्वागत किया गया। 500 सौ से अधिक श्रावक -श्राविकाओं ने साहूकार पेठ मे चौविहार भोजन का लाभ लिया।

वेद ज्ञान

स्वयं को पहचानें...

यह मनुष्य के सामने आदिकाल से ही सबसे बड़ा प्रश्न रहा है कि मैं कौन हूं? बहुत से लोग आए और जीवन भोगकर चले गए, किंतु इस प्रश्न के प्रति बेपरवाह रहे। संसार के मायावी आकर्षण ने उन्हें इतना चकाचौंध कर दिया कि उन्हें कभी अपने निकट आने और स्वयं को समझने का समय ही नहीं मिला। वे भाग्यवान थे कि जिन्होंने अपने सच को पहचाना और इसे धारण कर मोक्ष को प्राप्त हुए। धर्म ग्रंथों और धर्म पुरुषों की वाणी में जीव को पंच तत्वों-धरती, जल, अग्नि, वायु और आकाश-से मिलकर बना हुआ माना गया है, जिसका अंत निश्चित है। ये पांचों तत्व सृष्टि में प्रचुरता में उपलब्ध हैं। जीव की मृत्यु के बाद ये पांचों तत्व अपने मूल में लौट जाते हैं। मनुष्य जब संसार में अपनी पहचान 'मैं' के रूप में स्थापित करने का प्रयास करता है, तो वह एक भ्रम में जी रहा होता है। इस 'मैं' में उसका कुछ भी नहीं होता है। सारा कुछ ग्रहण किया गया है और निश्चित रूप से लौट जाने वाला है। मनुष्य का 'मैं' वास्तव में स्थापित हो ही नहीं सकता। ऐसा इसलिए, क्योंकि उसकी कोई ज्ञात अवधि नहीं है। पल भर में उसका विनाश हो सकता है। आज तक कोई जान नहीं सका है कि उसका जीवन कितने दिनों, कितने पलों का है, इस ज्ञान को दोहराने वालों की कमी नहीं है, किंतु इस पर विश्वास करने वालों का घोर अभाव है। हर कोई ऐसे व्यवहार कर रहा है कि मानों वह कोई विशिष्ट है और उसे सदियों तक जीवित रहना है। अपने बारे में जानना, अपनी रचना और अपने नाशवान होने के बारे में विश्वास करना है। यह विश्वास उसके आचरण को बदल देता है और उस परम शक्ति के निकट ले जाता है, जिसने उसे रचा है और जीवन दिया है। वास्तव में अपने आप में अपने जैसा कुछ भी नहीं है। यदि अपने जैसा कुछ भी शेष नहीं रहने वाला तो कैसा अहंकार? मनुष्य का अहंकार ही उसकी अधिकांश समस्याओं का मूल है और ईश्वर से दूर ले जाने वाला है। ईश्वर से दूर रहना जीवन के लक्ष्य से भटकना है। पंच तत्वों से बने तन के अंदर की चेतना अथवा आत्मा कोई स्वतंत्र सत्ता नहीं परमात्मा का ही अंश है। मनुष्य योनि उस बिछड़ी हुई आत्मा का परम आत्मा से मेल का अवसर है, ताकि वह आवागमन के चक्र से मुक्त हो सके। 'मैं' के सच को धारण कर के ही 'मैं' से मुक्त हुआ जा सकता है और परमात्मा की अनुभूति की जा सकती है।

संपादकीय

खालिस्तानी चरमपंथियों की भारत विरोधी गतिविधियां...

प्रधानमंत्री ने खालिस्तानी चरमपंथियों की भारत विरोधी गतिविधियों का मुद्दा उठाते हुए कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को भारत की चिंताओं से अवगत कराया। उन्होंने स्पष्ट उल्लेख किया कि खालिस्तानी चरमपंथी कनाडा में अलगाववाद को बढ़ावा और भारतीय राजनयिकों के खिलाफ हिंसा भड़का रहे हैं। राजनयिक परिसरों में तोड़फोड़ और भारतीय समुदाय तथा उनके पूजा स्थलों को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने यह बात जोर देकर कही कि दोनों देशों के संबंधों की प्रगति के लिए परस्पर सम्मान और विश्वास पर आधारित संबंध बहुत आवश्यक हैं। भारत पहले भी कनाडा के समक्ष खालिस्तानी चरमपंथ के उभार और उससे खड़ी होने वाली चुनौतियों का मुद्दा उठाता रहा है, लेकिन इस बार प्रधानमंत्री ने जी20 की व्यस्तताओं के बीच जस्टिन ट्रूडो से इस मामले में बात की। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि हाल के दिनों में कनाडा में भारतीय समुदाय, विशेषकर राजनयिकों के खिलाफ प्रदर्शन, हिंदू

मंदिरों पर हमले और दिवाली जैसे त्योहारों में खलल डालने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। इस प्रकार की अधिकतर घटनाओं में खालिस्तानी चरमपंथी तत्त्वों का हाथ रहा है, वे खुलकर इन घटनाओं की जिम्मेदारी भी लेते रहे हैं। पिछले दो साल में तो वैंकुवर, टोरंटो, सरे, ब्रैंपटन, मिसीसाग जैसे शहरों में स्थित अनेक हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ या विरुपित करने की करीब दर्जन भर घटनाएं सामने आई हैं। दरअसल, इसी साल जून में सिख फार जस्टिस संगठन से जुड़े चरमपंथी हरदीप सिंह निज्जर की अज्ञात लोगों ने गोली मार कर हत्या कर दी। भारत की इकतालीस खूंखार आतंकियों की सूची में उसका भी नाम था। इसलिए कनाडा में सक्रिय खालिस्तानी चरमपंथियों ने इस हत्या के लिए भारत सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए भारतीय उच्चायोग पर उग्र प्रदर्शन और तोड़फोड़ की थी। इसके अलावा अमृतपाल सिंह के खिलाफ पंजाब सरकार की कार्रवाई को लेकर भी कनाडा के चरमपंथी गुटों में कड़ी प्रतिक्रिया देखने को मिली। भारत और कनाडा के संबंध मित्रवत रहे हैं, लेकिन कनाडा में खालिस्तानी चरमपंथी तत्त्व न केवल अलगाववाद को बढ़ावा दे रहे, बल्कि वहां रह रहे भारतीयों को आए दिन धमकी देकर भयभीत कर रहे हैं। हिंदू मंदिरों पर हमले और भारत विरोधी रैली-कार्यक्रम आयोजित कर भारतीय व्यवस्था को चुनौती दे रहे हैं। खालिस्तानी संगठन दरअसल, कनाडा को अब आतंकवाद की नर्सरी में तब्दील करते और उसे अपने मुख्यालय की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। अनेक खालिस्तान समर्थक चरमपंथी संगठन कई देशों में अपनी गतिविधियां चला रहे हैं, लेकिन कनाडा में ये अधिक सक्रिय हैं। प्रधानमंत्री ने ठीक ही कहा कि संगठित अपराध, मादक पदार्थ गिरोह और मानव तस्करी के साथ ऐसी ताकतों का गठजोड़ भारत ही नहीं, कनाडा की भी चिंता का विषय होना चाहिए। हालांकि ट्रूडो ने अपनी वही पुरानी प्रतिक्रिया दोहराई कि उनका देश शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की स्वतंत्रता की हमेशा रक्षा करेगा, हिंसा को रोकेगा और नफरत के लिए अपनी धरती का इस्तेमाल नहीं होने देगा। यही बात तो उन्होंने उस समय भी कही थी जब खालिस्तानी तत्त्वों ने भारतीय दूतावास पर प्रदर्शन कर तोड़फोड़ की थी।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

जी-20

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की दरकार अनेक मौकों पर रेखांकित की जा चुकी है। अभी जी20 शिखर सम्मेलन के मंच से प्रधानमंत्री ने भी इसकी जरूरत पर बल दिया। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष ने कहा था कि सुरक्षा परिषद के स्वरूप में बदलाव किया जाना चाहिए, क्योंकि यह संस्था अब अपनी प्रासंगिकता लगभग खो चुकी है। यह बात उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध के मद्देनजर कही थी। पिछले साल संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भी कहा था कि इस संस्था को और समावेशी बनाया जाए, ताकि वह आज की दुनिया की जरूरतों को बेहतर तरीके से पूरा कर सके। सुरक्षा परिषद में स्थायी और अस्थायी, दोनों तरह के सदस्यों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए। इनमें अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और कैरेबियाई देश भी शामिल हों। भारत कई मौकों पर यह बात दोहरा चुका है, मगर इस बार चूंकि जी20 शिखर सम्मेलन के मंच से प्रधानमंत्री ने यह बात कही तो उसका अलग मतलब है। दरअसल, दुनिया का स्वरूप काफी तेजी से बदला है, इसमें केवल कुछ देश शक्तिशाली की कतार में खड़े होकर नए विश्व की वास्तविकताओं से आंखें नहीं चुरा सकते। जी20 इसका बड़ा उदाहरण है कि विकसित कहे जाने वाले राष्ट्रों को आखिरकार विकासशील या तीसरी दुनिया कहे जाने वाले देशों को भी अपने साथ जोड़ना पड़ा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के गठन के बाद से अब तक इसके सदस्य देशों की संख्या चार गुना बढ़ चुकी है, मगर इसमें मुख्य वातार्कार वही पांच देश हैं, जो शुरू में रखे गए थे। उन्हीं पांच देशों को स्थायी सदस्यता प्राप्त है और वे जिस मुद्दे पर जो राय बनाना चाहते हैं, जैसा फैसला करना चाहते हैं, कर लेते हैं। वे परस्पर अपने हितों में संतुलन बनाने का प्रयास करते देखे जाते हैं। अगर किसी मुद्दे से उनमें से किसी के भी स्वार्थ पर आंच आती है, तो वह अपने विशेषाधिकार का इस्तेमाल करते हुए उस मुद्दे पर आम राय बनने से रोक देता है। इस तरह कई मौकों पर देखा गया है कि जब कोई देश किसी अन्य देश पर युद्ध थोप देता और संयुक्त राष्ट्र घोषणापत्र के नियमों का उल्लंघन करता देखा जाता है, तब सुरक्षा परिषद चुप्पी साधे रहती है। रूस की तरफ से यूक्रेन के खिलाफ छेड़े गए युद्ध में भी यह साफ-साफ देखा गया। रूस चूंकि खुद सुरक्षा परिषद का सदस्य है, इसलिए उसके खिलाफ सुरक्षा परिषद की कड़ाई की कोई अपेक्षा नहीं की जा सकती। सुरक्षा परिषद में हालांकि पंद्रह सदस्य होते हैं, जिनमें से पांच स्थायी हैं और दस अस्थायी होते हैं, जिन्हें दो-दो साल के लिए चुना जाता है। मगर जब भी कोई अहम फैसला करना होता है, तो स्थायी सदस्यों की ही सहमति मान्य होती है। वे पांच देश हैं अमेरिका, चीन, रूस, फ्रांस और यूनाइटेड किंगडम। जबकि अब भारत, ब्राजील, जर्मनी, चौवन देशों का अफ्रीकी समूह आदि दुनिया के भू-राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य में ज्यादा अहमियत रखते हैं। इन्हें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता न दिए जाने से वैश्विक मामलों में लिए जाने वाले निर्णयों में स्पष्ट असंतुलन नजर आता है। इसीलिए अब दुनिया के तमाम देश संयुक्त राष्ट्र की संस्थाओं में बदलाव की मांग उठाते देखे जाते हैं। मगर मुश्किल यह है कि इसके स्थायी सदस्य ऐसे किसी बदलाव को लेकर उदासीन ही देखे जाते हैं। इसमें सुधार की सूरत तभी बनेगी, जब इसके स्थायी सदस्य वैश्विक हितों को लेकर सचमुच संजीदा होंगे।

आचार्य श्री आर्जव सागर जी ने कहा...

हम अपने जीवन को उज्जवल बनाने के लिए संसार के सुख की कामना करते हैं

विश्व शांति महायज्ञ में हो रही है मंत्रो के साथ आहूति समर्पित।
श्रावण संस्कार शिविर का होगा नगर में आयोजन

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

लोक कल्याण की भावना जब बन रही थी तो स्वर्ग के देवता भी पुष्ट वृष्टि कर वर्षा की झड़ी लगा रहे हैं हम अपने जीवन को उज्जवल बनाये के साथ संसार के सुखी रहने की कामना कर रहे हैं महोत्सव से विश्व शांति महायज्ञ की वर्गणाये जहां तक जायेगी वहां के जीव सुख की अनुभूति करे ऐसी सभी की भावना है प्रवचन के माध्यम से हम भी लोक कल्याण का उपदेश दिया करते है संत जन तो हमेशा ही हर क्षण लोक कल्याण की भावना भाते हैं आप लोगो ने महा मंडल बना कर वृहद मंत्रोचार के साथ भावनात्मक रूप से यहां आराधना की है करते रहना चाहिए उक्त आश्य केउद्गार सुभाष गंज मैदान में चल रहे लोक कल्याण महा मंडल विधान की सभा को सम्बोधित करते हुए आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज ने व्यक्त किए।

भगवान की आराधना करके लोक कल्याण की भावना भा रहे हैं:

मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि देश भर में श्रावक संस्कार शिविर की तरह हमारे यहां भी भव्य आयोजन होगा । शैलेन्द्र श्रागर ने बताया कि सभी फार्म भर उसमें शामिल हो सकते हैं । आज लोक कल्याण महा मंडल विधान में हम यहां नित्य भगवान की महा आराधना के साथ लोक कल्याण की भावना भा रहे हैं आज सौधर्म इन्द्र बनकर महा पूजा का सौभाग्य निर्मल कुमार मुकेश कुमार नीरज कुमार पंसारी चक्रवर्ती बनकर सुनील कुमार सुमत कुमार अखाई वहीं सौधर्म इन्द्र जोड़ी अमृत लाल लालू लाल मेहता सूरत के साथ श्रावक श्रेष्ठी अनिल कुमार जैन का सम्मान समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद प्रमोद मंगलदीप राजेन्द्र अमन मेडिकल शैलेन्द्र श्रागर संजय के टी सहित अन्य सदस्यों ने सम्मान किया इस दौरान युवा वर्ग संरक्षण शैलेन्द्र श्रागर ने कहा कि जिन्हें भी महा महोत्सव में द्रव्य समर्पित करना है । वे अपने नाम दे आपके द्वारा दिए गए श्री फल यहां मंडल पर समर्पित किए जायेंगे। मानव कल्याण के लिए जंगलों में रहकर आचार्यों ने शास्त्रो की रचना की । धर्म सभा में आचार्य श्री ने कहा कि हमारे आचार्यों ने जंगलो में ?बैठ कर जगत के जीवों के कल्याण के लिए हजारों ग्रन्थों की रचना की आजादी के पहले हमारे देश से समंदा के साथ हमारे ग्रान्थो को ले गये आज भी वे विदेशों की लाइब्रेरी में रखी है इन ग्रंथों में मानवता के कल्याण का दिव्य सन्देश लिखा गया है आज विश्व को इन सन्देश की आवश्यकता महसूस की जा रही है । अभी दिल्ली में दुनिया भर के नेता जुटे थे और उन्होंने भी मानव कल्याण के भारतीय दर्शन की वातो को सुना और महसूस किया ऐसे महान संतों को हम जब पढते हैं तो हमारे जीवन में भी सहजता सरलता आतीं हैं ।

बहुत ज्यादा धर्म करने की आवश्यकता नहीं है भावों की पवित्रता जरूरी है

उन्होंने कहा कि बहुत ज्यादा धर्म करने की आवश्यकता नहीं है आपके भाव पवित्र और पावन होना चाहिए। शिव भूति मुनि महाराज ने जगत को बता दिया कि बहुत ज्ञानी त्याग होने की जरूरी नहीं है बस जरुरी है अपनी इन्द्रियों पर विजय प्राप्त करने के साथ संयम की साधना करते हुए धर्म ध्यान करते रहते हैं अनेकांत सयद्वाद के साथ अपनी बात को रखना चाहिए बहुत भक्ति अंतरंग से करें कषायो, क्रोध और मान को कम करें जिनवाणी की भक्ति प्रवचन की भक्ति जो करेगा आज का ज्ञान विस्मृत भी हो जाए तो चिंता मत करना जब योग बनेगा तो आपको सब याद आ जायेगा।

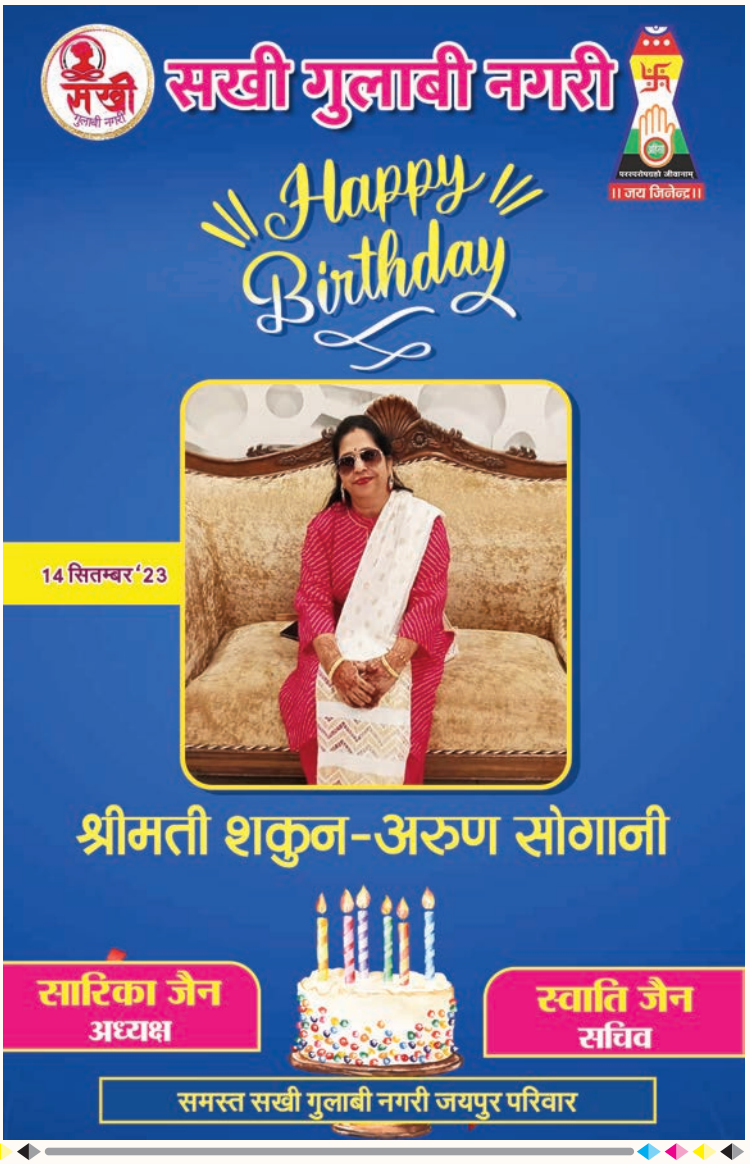

श्रावक संस्कार शिविरों के जनक परम पूज्य तीर्थचक्रवर्ती जगतपूज्य

निर्यापक श्रमण मुनिपुंगवश्री 108 सुधासागर जी महाराज

क्षुल्लक गौरव श्री 105 गंभीर सागर जी महाराज

के मंगल सानिध्य में आगरा की पुण्य धरा पर

30 वां श्रावक शिविर संस्कार

आगरा-दिनांक 19 से 29 सितम्बर 2023 तक

- शिविर आयोजक स्थल-

श्री महावीर दिगम्बर जैन इण्टर कॉलेज परिसर, हरीपर्वत, आगरा (उ.प्र.)

शिविर पुण्यार्जक

श्रावक श्रेष्ठी श्री निर्मल-उर्मिला, वीरेंद्र-उषा रेखा
रजत-आयुषी, रौनक-अदिति,
विभोर विधी हर्षिल द्रव्या जियांशी मोठ्या परिवार

श्रावक श्रेष्ठी श्री हीरालाल-बीना,
दिवाय-कोमल, उत्कर्ष दिविषा काव्या
अर्हम बैनाडा परिवार

श्रावक श्रेष्ठी श्री राजेश-रजनी,
निखिल-पूजा, शोभित-आरती,
कनिष्का हनीशा, आध्या सेठी परिवार

श्रावक संस्कार शिविर

निर्देशक	निर्देशक
हुकम जैन 'काका' 94141-84618	दिनेश गंगवाल 93145-07802

सुधा अमृत वर्षायोग-2023,आगरा

जगत पूज्य निर्यापक श्रमण मुनिपुंगवश्री 108 सुधासागर जी महाराज का
41वां मुनि दीक्षा दिवस समारोह अश्विन वदी तृतीया
दिनांक 01 अक्टूबर 2023 को दोपहर 12:15 से मनाया जायेगा।

शिविर आयोजक:- श्री दिगम्बर जैन धर्म प्रभावना समिति, आगरा (उ.प्र.)

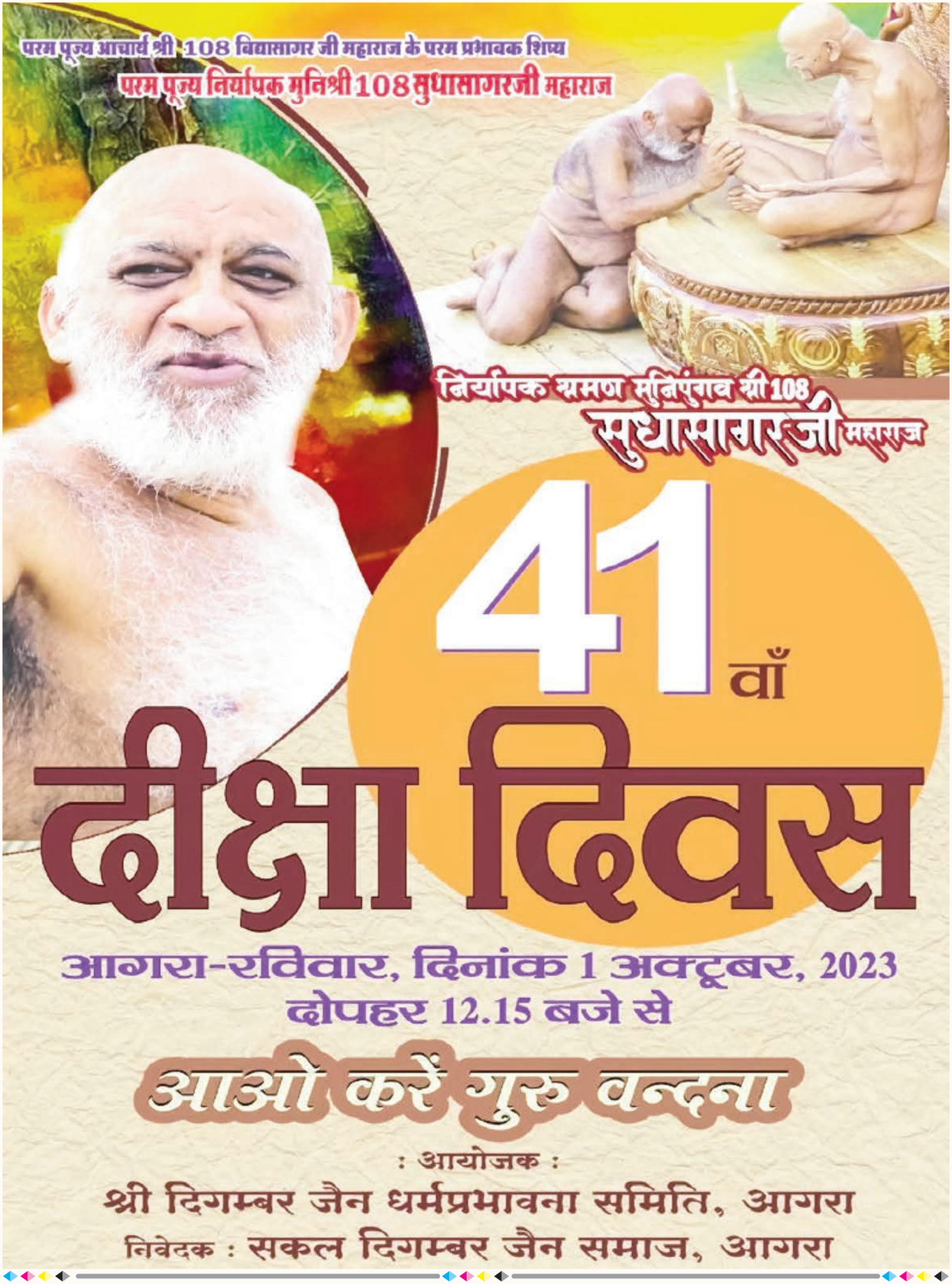
परम पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य
परम पूज्य निर्यापक मुनिश्री 108 सुधासागरजी महाराज
निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री 108
सुधासागरजी महाराज
41 वाँ
दीक्षा दिवस
आगरा-रविवार, दिनांक 1 अक्टूबर, 2023
दोपहर 12.15 बजे से
आओ करें गुरु वन्दना
: आयोजक :
श्री दिगम्बर जैन धर्मप्रभावना समिति, आगरा
निवेदक : सकल दिगम्बर जैन समाज, आगरा

पत्थर से परमात्मा तक की यात्रा में समर्पण पाथेय बनता है: गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

भारत गौरव गणिनी आर्यिका 105 विज्ञाश्री माताजी ने समर्पण के बारे में समझाते हुए कहा कि - हनुमान राम को अपना बनाने के लिए भक्ति के रंग में रंग गए थे ।हमारा समर्पण भी हनुमान की तरह होना चाहिए ।जिस प्रकार सोना पिघलता है तो वह आभूषण बन जाता है उसी प्रकार यदि इंसान अपने अहंकार को छोड़ दे तो परमात्मा बन जायेगा ।एक पत्थर ने अपना जीवन शिल्पी को समर्पित कर दिया तो वह भी मूर्ति बन गया ।वैसे ही पत्थर दिल वाला इंसान अहंकार को छोड़ दे तो वह भी मूर्ति के रूप में विराजमान हो जायेगा। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ, गुन्सी के तत्वावधान में श्री 1008 शांतिनाथ महामण्डल विधान रचाने का सौभाग्य सुरेशचंद माधोराजपुरा वाले निवाई वालों को प्राप्त हुआ ।विज्ञातीर्थ के परम शिरोमणि संरक्षक प्रमोद जैन जबलपुर वालों ने शांतिनाथ भगवान का प्रथम अभिषेक करने का सौभाग्य प्राप्त किया। इसी दौरान ओमप्रकाश बाकलीवाल बूंदी वालों ने जन्मदिन के उपलक्ष्य में शांतिप्रभु की शान्तिधारा सम्पन्न करायी। तत्पश्चात गुरु माँ के पाद-प्रक्षालन व शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य भी प्राप्त किया। सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ क्षेत्र पर गुरु भक्तों द्वारा आगामी 19 सितम्बर से आने वाले पर दश लक्षण महापर्व में श्री दशलक्षण महामण्डल विधान की तैयारियां चल रही है।

जीवन में सफल होने के लिए सहना सीखें, वहम और अहम दोनों से बचें :दर्शनप्रभाजी म.सा.

सफलता पाने के लिए दृष्टि नहीं दृष्टिकोण बदले-समीक्षाप्रभाजी म.सा.। रूप रजत विहार में महासाध्वी इन्दुप्रभाजी के सानिध्य में पर्युषण पर्व की आराधना जारी

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। कर्म आठ प्रकार के होते है लेकिन कर्मबंध के बीज दो राग-द्रेष ही है। इनसे ही कर्मबंधन होता है ओर इंसान जन्म-जन्मान्तर के चक्र से मुक्त नहीं हो पाता है। सोने से राग ओर लोहे से द्वेष दोनों ही बुरे होते है। जीवात्मा को पुण्य व पाप की युगल बेड़ी समाप्त हो जाएगी तो मुक्ति मिल जाएगी। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में बुधवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने पर्वाधिराज पर्युषण के दूसरे दिन सफल जीवन के सूत्र विषय पर प्रवचन के दौरान व्यक्त किए। प्रवचन के शुरू में अंतगड़ सूत्र का वांचन आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा. ने किया। दोपहर में तरूण तपस्वी हिरलप्रभाजी म.सा. ने कल्पसूत्र का वांचन किया। धर्मसभा में मधुर व्याख्यानी दर्शनप्रभाजी म.सा. ने कहा कि पर्युषण में जितनी भक्ति होगी उतनी ही कर्मो की निर्जरा होगी। हमे दुर्लभ मानव जीवन के रूप में अनमोल समय मिला है जिसमें दिल खोलकर भक्ति होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा जैसा स्वभाव होगा वैसा ही हमारा प्रभाव होगा। जिंदगी में आप सफल होना चाहेंगे तो हो जाएंगे लेकिन ये देखना होगा कि आपकी सफलता का पैमाना क्या है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

शेखावाटी विकास परिषद में भागवत कथा : बार-बार सुनें भगवान के अवतारों की कथा : संतश्री हरिशरण

जयपुर. शाबाश इंडिया। विद्याधर नगर स्थित शेखावाटी विकास परिषद में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में संत श्री हरिशरण जी महाराज ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा में भगवान के अवतारों की कथा बार-बार सुननी चाहिए। इससे हृदय का विकार दूर हो जाता है। अपने अवतार के माध्यम से श्रीहरि ने मानव जीवन को समझाने का प्रयास किया है। घर में श्रीमद्भगवत की पूजा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस घर में सुमति अर्थात पूरा परिवार मिलकर रहता है, उस घर में लक्ष्मी का वास होता है। सुमति संत के संगति व भक्ति भावना एवं निष्ठापूर्वक कर्म करने से आता है। जिस प्रकार एक बार भोजन कर लेने से, एक बार सांस ले लेने से काम नहीं चल सकता है, उसी प्रकार एक बार कथा सुनने से काम कैसे चल सकता है? उन्होंने कहा कि कथा एक संस्कार है, यह ईश्वर की कृपा है, जिसे बार-बार सुनने के बाद जीवन में ईश्वर की कृपा बरसने लगती है। शांति की प्राप्ति होती है। कर्म के बारे में बताते हुए कहा कि इसका फल अकाट्य होता है,जो जैसा कर्म करेगा वैसा फल मिलेगा। अपनी आत्मा की पूर्ति और जीभ के स्वाद के लिए दूसरे जीवों को मारकर खा जाना घोर अपराध है। हर जीव को अपनी जिंदगी जीने का पूर्ण अधिकार है। प्रवक्ता रामानंद मोदी ने बताया कि कथा सितम्बर तक रोजाना दोपहर 2.30 बजे से शाम 7बजे तक होगी।

चित्रकला प्रतियोगिता के पोस्टर का विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया। भारतीय जैन मिलन और राजस्थान जैन ऑर्गेनाइजेशन के संयुक्त तत्वावधान में होने वाली चित्रकला प्रतियोगिता के पोस्टर का विमोचन आचार्य वसुनंदी महाराज के शिष्य मुनि श्री के निर्देशन में हुआ। यह जानकारी देते हुए मनीष झांझरी और चित्रकला परियोजना निदेशक और भारतीय जैन मिलन के अध्यक्ष अनिल जैन ने बताया कि आगामी 17 तारीख को यह प्रतियोगिता विभिन्न जैन मंदिरों में आयोजित की जाएगी। मुख्य संयोजक डॉ राजीव जैन ने बताया कि इसमें लगभग 4000 से अधिक बच्चे अलग-अलग थीम पर चित्र बनाकर अपने हुनर का प्रदर्शन करेंगे जिसमें चंद्रयान की सफलता का विषय भी शामिल है। इस अवसर पर राजेश काला, अनिता जैन ,सुनीता जैन,राजेश चौधरी, सुशील कासलीवाल, प्रेरणा जैन पूनम तिलक सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

देवानंद को समर्पित संगीत संध्या 24 को

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर के 30 दोस्तों की ओर से अंतरराष्ट्रीय वैश्य महा सम्मेलन एवं देवानंद सोसायटी के सहयोग से 24 सितंबर को शाम 6 बजे देवानंद को समर्पित संगीत संध्या झालाना मार्ग स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित की जाएगी। इस मौके पर ख्याति प्राप्त कलाकार अभिनेता देवानंद के गानों की प्रस्तुति देंगे। आयोजन समिति के चेयरमैन रोटेरियन सुधीर जैन गोधा ने बताया कि इस संगीत संध्या में मुंबई के प्रसिद्ध गायक आलोक कटधारे, प्रियंका मित्रा, अहमदाबाद के गायक विश्वनाथन, जयपुर के धर्मेंद्र छाबड़ा व राजेश शर्मा देवानंद की फिल्मों के गानों की संगीतमय प्रस्तुति देंगे। इस दोरान दिल्ली के म्यूजिकल बैंड डोरे मि के सहयोग से देंगे। दिल्ली के प्रसिद्ध एंकर आईपीएस बाबा कार्यक्रम का संचालन करेंगे।

निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने कहा...

जब जब तुम्हे बड़ो के अनुसार जिंदगी जीने का मन करे बड़ो के अनुसार सोचने, बड़ो के अनुसार देखने का मन करे तो समझ लेना आप बड़े हो गए हैं

आगरा. शाबाश इंडिया

आगरा के हरीपर्वत स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के अमृत सुधा सभागार में निर्यापक श्रमण मुनिपुगंव श्री सुधासागर जी महाराज ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जब कोई व्यक्ति अपने लिए कुछ करता है तो उसमें भगवत्ता प्रकट होती है अपने लिए कोई व्यक्ति जीता है तो जीवंतता की अनुभूति होती है, अपने सम्बन्ध में जब व्यक्ति सोचता है तो स्वयं को उँचाइयों तक ले जाता है स्वयं। स्वयं ही अच्छा बनना है, स्वयं ही अच्छा करना है, स्वयं ही उँचाइयों पर पहुँचना है। स्वयं का स्वयं के लिए करना है और जो स्वयं, स्वयं के लिए करता है वह स्वयं का मालिक हो जाता है लेकिन सृष्टि में कुछ ऐसी महान आत्माएं होती है जो स्वयं के साथ साथ दुसरो के लिए भी कुछ करती है, स्वयं भी सुखी रहते है और दूसरों को भी सुख देने का भाव करते है। उनको सारा जगत उच्च सिंहासन पर बिठाता है। उँचाइयों पर पहुँचना अलग चीज है और उच्च सिंहासन पर बैठना अलग चीज है। उँचाइयों पर जब भी व्यक्ति पहुँचेगा, अपने उपादान से पहुँचेगा और जब कोई सिंहासन पर बैठेगा तो कोई निमित्त उसे सिंहासन पर बैठालेगा। जीव अरिहंत अपने बल पर बनता है और उन्हें भगवान भक्त की आस्था बनाती है। अपनी श्रद्धा, समर्पण, बहुमान किसके प्रति जागेगा जिसने कुछ तुम्हारे लिए किया होगा, तुम्हारे लिए कुछ मिलने की उम्मीद होगी। इसको जय जिनेंद्र कर लो क्योंकि यह बड़ा काम का व्यक्ति है। बालको को सत स्वरूप मत समझाओ। बालको की रुचि देखो क्या है। एक बड़े लोग होते है जो अपने रुचि से नही खाते है, अच्छे लोग होते है जो माँ की रुचि से खाते है। साधु लोग बड़े क्यों होते है क्योंकि वे अपनी रुचि से आहार नही करते। बड़े लोग अपनी रुचि का भोजन नही करेंगे, खिलाने वाला जैसा खिलायगा है वैसा खाओगे वह बड़ा है और छोटा कौन है जो मुझे रुचता है वह मैं खाऊंगा।

जब जब तुम्हे बड़ो के अनुसार जिंदगी जीने का मन करे, बड़ो के अनुसार सोचने, देखने का मन करे तो समझ लेना आप बड़े हो गए है। आप मन्दिर अपनी इच्छा पूर्ति के लिए आये है, मन्दिर आने से मुझे यह मिल जाएगा तो समझ लेना आप बालक है। इसलिए आराधना है, इसलिए पूजा है, इसलिए नमोस्तु है कि हमे कुछ मिलेगा,कुछ मिल रहा है महानुभाव यह पूजा, यह जाप, यह गुरुभक्ति पुण्यबन्ध का कारण है लेकिन पाप की निर्जरा का कारण नही। चाहे पुण्य का ही बन्ध क्यों न हो जो मात्र बन्धमूलक क्रिया है, मात्र बन्ध ही कराती है आचार्य कुन्दकुन्द देव इसी पुण्य को कुशील कह रहे है। जब जब पुण्य के उदय में पाप करने का भाव आवे समझ लेना कुन्दकुन्द भगवान उसे कुशील कह रहे है। और वही पुण्यकर्म के उदय में पुण्य बन्ध करना यह सिर्फ बन्धमूलक नही है यह शुभोपयोग भी निर्जरा का कारण है। आप सभी अपनी अपनी जिंदगी को टटोलिये कि तुम्हारे पास क्या ओवर चीज है जो नही भी होती तो भी काम चल जाता। बड़ी गाड़ी नही भी होती तो छोटी गाड़ी से काम चल जाता। गाड़ी खतरनाक नही है वह वो चार करोड़ की गाड़ी जिनके पास है उनको खतरा है। ओवर जो तुम्हारा पुण्य है यदि वो सम्हल गया तो महानुभाव यही पुण्य तुम्हे अरिहंत परमेष्ठी बना देगा। बराबर पुण्य जितना चाहिए यदि पुण्य है तो जो न तुम्हे नरक भेजेगा और न मोक्ष भेजेगा। जो ओवर पुण्य है वही स्वर्ग, नरक और मोक्ष का कारण है, बस उसको सम्हालना है। जो आय हुई है सबसे पहले दान की घोषणा करो, वो है सर्वश्रेष्ठ दान। मैं यह व्यापार करने से पहले यह दान बोलता हूँ इसको बोलते है उपधान। किसी धर्म कार्य करने के पहले कोई भी संकल्प कर लेना वो उपधान कहलाता है, उपधान चमत्कारी,अतिशयकारी होता है। जो सुबह मंदिर आते है वो चमत्कार है, अतिशय है अभी संसार के कार्य के लिए तुम जागे हो मन्दिर के लिए नही, नही पहले मन्दिर जायेगे, दूसरे कार्य बाद में करेंगे। पहले मन्दिर में दान बोलेंगे बाद में कमाएंगे। सब चीज में यही कर लीजिए भोजन बाद में करेंगे पहले त्यागी व्रती को कराएंगे, समझ लेना अतिशय हो गया अन्नपूर्णा हो गया, तुम्हारा सब कुछ किया हुआ पाप नही प्रसाद हो गया क्योंकि धर्म मे देने के बाद भोगा है। इसलिए आचार्यों ने धर्मात्मा के लिए एक किसान की उपाधि दी। धर्मसभा से पूर्व पन्नालाल बैनाड़ा एव हीरालाल बैनाड़ा राजेश बैनाड़ा विभू बैनाड़ा समस्त बैनाड़ा परिवार द्वारा मुनिश्री का पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट किया,साथ ही संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्वलन किया। शोभाना लुहारिया द्वारा मंगलाचरण की प्रस्तुति दी। इस दौरान आगरा दिगंबर जैन परिषद, श्री दिगंबर जैन धर्म प्रभावना समिति एवं श्री दिगंबर जैन शिक्षा समिति के पदाधिकारियों ने मुनिश्री के चरणों में श्रीफल भेंटकर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। धर्मसभा का संचालन मनोज जैन बाकलीवाल द्वारा किया गया। दोपहर 3:00 बजे से क्षुल्लक श्री गम्भीर सागर जी महाराज के सानिध्य में बच्चों की पाठशाला लगाई जाती है वही शाम को मुनिश्री का जिज्ञासा समाधान कार्यक्रम होता है जिसमें बड़ी संख्या में भक्त अपनी जिज्ञासाओं को दूर करते हैं और गुरू के चरणों में शीश नवाकर धर्मलाभ लेते हैं।धर्मसभा में प्रदीप जैन पीएनसी निर्मल मोठ्या, दिलीप जैन,मनोज जैन बाकलीवाल, अमित जैन बॉबी नीरज जैन जिनवाणी पंकज जैन सीटीवी,पन्नालाल बैनाड़ा, हीरालाल बैनाड़ा, जगदीश प्रसाद जैन, राजेश जैन सेठी,शुभम जैन, राजेश बैनाड़ा,राकेश जैन पदेवाले, शैलेन्द्र जैन,विवेक बैनाड़ा,ललित जैन, अनिल जैन शास्त्री रूपेश जैन,केके जैन,नरेंद्र जैन, संजय जैन शालीमार,राहुल जैन, सचिन जैन, अंकेश जैन, समकित जैन, समस्त सकल जैन,समाज आगरा के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

शुभम जैन मीडिया प्रभारी

डीजेएसजी फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर द्वारा

स्वाध्याय धार्मिक तंबोला व स्वाध्याय प्रश्नोत्तरी का भव्य समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया। रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या ने बताया कि दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर द्वारा स्वाध्याय धार्मिक तंबोला व स्वाध्याय प्रश्नोत्तरी 15 दिवसीय कार्यक्रम का आगाज फेडरेशन अध्यक्ष राकेश झ कल्पना विन्दयका ने इंदौर से ऑन लाइन अंक निकाल कर किया , इसके पश्चात, अनिल - शशि जैन कटर, सुरेंद्र - मृदुला पांड्या, नवीन - शशि सेन जैन, यश कमल संगीता अजमेरा, अतुल- नीलिमा बिलाला , उमराव मल - कुसुम संघी , विपुल- नीलम बांझल इंदौर, सुशील- सुषमा पांड्या इंदौर, जम्बू- नीता धवल उज्जैन, विनय- अनीता जैन, जबलपुर सुरेश- कनक जैन बांदीकुई, सीमा बड़जात्या, द्वारा प्रति दिन अंक निकाले गये रीजन महासचिव निर्मल - सरला संघी ने बताया कि प्रतिदिन मंगलाचरण से कार्यक्रम का आगाज किया गया , श्रीमती श्वेता जैन पाटनी , श्रीमती श्वेता छाबड़ा, निधि लुहाडीया, अशनी जैन, बृशा जैन, नव्या जैन सोगानी, रिहांक्षी जैन विनायका नीतू जैन, श्वेता छाबड़ा, शुभ छाबड़ा, दीया जैन आदि ने नृत्य के द्वारा मंगलाचरण कर किया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर द्वारा वीर ग्रुप के संयोजन अध्यक्ष नीरज रेखा जैन व उनकी टीम द्वारा इस पवित्र भाद्रपद मास में स्वाध्याय धार्मिक तंबोला व स्वाध्याय प्रश्नोत्तरी का आनलाइन **whatsapp** ग्रुप के माध्यम से दिनाँक 31 अगस्त से 13 सितंबर तक खिलाया गया । रीजन कोषाध्यक्ष रीजन अधीनस्थ सभी ग्रुप के सदस्य इसमें भाग ले रहे थे। प्रतिदिन 6 अंक निकाले गए, जिन पर स्वाध्याय कराया गया तथा शाम को तत्वार्थ सूत्र पर प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई। सभी विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। रीजन कार्याध्यक्ष सुनील - सुमन बज ने बताया कि स्वाध्याय प्रश्नोत्तरी की पठन सामग्री पहले दिन व्हाट्सएप ग्रुप में भेजी गई व सभी सदस्य इसका अध्ययन करके अगले दिन प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में भाग लिया व अनेक पुरूस्कार जीते।संयोजक नीरज रेखा जैन ने बताया कि रीजन का उद्देश्य इस पवित्र भाद्रपद मास में सभी सदस्यों के मध्य स्वाध्याय का अध्ययन कराया गया व जैन धर्म का प्रचार प्रसार किया गया। रीजन के सभी ग्रूप जयपुर मैन , गुलाबी नगर , आदिनाथ, नवकार ,जैन भारती, मैत्री , डायमंड , पार्श्वनाथ , वात्सल्य , पिंक पर्ल, तीर्थंकर, ब्लू स्टार , संगिनी फार एवर, सम्यक, वीर, स्वस्तिक, सन्मती, विराट, आदि ग्रुपों का आभार व्यक्त किया गया ।

विश्व पटल पर छायी

स्वंत्रता की हीरक जयंती,
सुखद बयार इक लायी.
हिंदी को अपनाया सबने,
विश्व पटल पर छायी.
कश्मीर से कन्याकुमारी,
सब इसको जानें,
गुजरात से अरुणाचल तक,
इसको अपना मानें.
यूरोप से ऑस्ट्रेलिया तक,
भी पहचान बढ़ी है,
भारतवासी सब जो इसके,
इसकी शान बढ़ी है.
टी. वी., यू ट्यूब, फेसबुक ने,
जन जन तक पहुँचाया,
श्री अटल, मोदी, योगी ने,
इसका मान बढ़ाया.
महामहिम भी जन जन के संग,
अब यह जन जन की भाषा,
नेह, प्रेम, ममता, करुणा की,
हिंदी नव परिभाषा.
हीरक जयंती हिंदी दिवस पर,
भारत, भारती वंदन,
संस्कृत की प्यारी बेटी,
कोटि कोटि अभिनन्दन.

इंजिनियर अरुण कुमार जैन,
अमृता हॉस्पिटल फरीदाबाद.
#7999469175

महावीर इंटरनेशनल ग्रेटर जयपुर बेबी किट का शुभम केयर हॉस्पिटल में किया वितरण

जयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल ग्रेटर के अध्यक्ष जे के जैन ने बताया कि ग्रेटर द्वारा सेवा गतिविधि कार्यक्रम में बेबी किट का वितरण शुभम केयर हॉस्पिटल, इसकोन रोड, मानसरोवर जयपुर में किया गया। शुभम केयर हॉस्पिटल में यह सेवा वर्ष भर चलेगी, जैसे जैसे हॉस्पिटल को और बेबी किट की जरूरत अनुसार आपूर्ति कर दी जायेगी। उपाध्यक्ष सुरेश जैन बांदीकुई ने अवगत कराया कि इस अवसर पर डाक्टर शैलेश जैन व डाक्टर सपना जैन तथा हास्पिटल के विनोद- सुशीला बड़जात्या का माला पहनाकर सम्मान किया। ग्रेटर के सचिव राजेश बड़जात्या ने बताया कि इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल ग्रेटर के कोषाध्यक्ष धनु कुमार जैन, निर्मल संघी, अशोक सोगानी, विजय लक्ष्मी जैन, सीमा बड़जात्या, सुमन बज सरला संघी, मंजू पूरी जैन, बीना सोगानी, आदि अनेक सदस्य उपस्थित थे। अंत मे संयुक्त सचिव सुनील बज ने हॉस्पिटल व डाक्टर्स तथा सभी उपस्थित सदस्यों का धन्यवाद, आभार व्यक्त किया।

श्री दि जैन खण्डेलवाल सरावगी समाज कोटा के पदाधिकारियों के चुनाव संपन्न

कोटा. शाबाश इंडिया। राणा प्रताप मीरा और पन्नाधाय के तप त्याग और साधना की पावन वसुंधरा राजस्थान प्रांत की शिक्षणं के लिए संपूर्ण भारत वर्ष में सुविख्यात धर्मप्राण नगरी कोटा के तलवंडी जैन मन्दिर में श्री दि जैन खण्डेलवाल सरावगी समाज की आयोजित आम सभा में पुनः दो वर्ष के लिए अध्यक्ष अशोक पहाड़ियां महामंत्री महावीर शाह कोषाध्यक्ष जिनेन्द्र पापडीवाल कार्याध्यक्ष राकेश पाटोदी को चुना गया। सर्व सम्मति से आम सभा में करतल ध्वनि के साथ इसी कार्य कारिणी को आगे समाज हित के कार्यों को सुनियोजित करने के लिए हर्षोल्लास के वातावरण में चुना गया ! सभी समाज बन्धुओं ने मालाएं पहनाकर पदाधिकारियों का भाव भींना स्वागत किया। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पारस जैन पार्श्वमणि कोटा ने भी सभी को हार्दिक शुभकामनाएं प्रदान की इस अवसर पर विज्ञान नगर मंदिर समिति के अध्यक्ष राजमल पाटोदी सकल दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष विमल जैन नांता सहित अनेकानेक समाज बंधु उपस्थित थे ।